

IV. CORE COURSE -C 5:
कोर पाठ्यक्रम –C 5:

(Credits: Theory-05, Tutorial-01)
(क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अस्यास -01)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) =100

Pass Marks: Th (MSE +ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड A' में पाँच अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के अनिवार्य प्रश्न होंगे। खण्ड B' में छ: में से किन्हीं चार 5 अंकों के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

छमाही परीक्षा :

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड B' में छ: में से किन्हीं चार 15 अंकों के वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप-विभाजन हो सकते हैं।

छायावादोत्तर हिन्दी कविता

सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अस्यास : 15 व्याख्यान

प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा नई कविता : उद्भव, विकास, प्रवृत्तियां एवं समान्य परिचय

निर्धारित कविताएँ :

- | | |
|--|--|
| 1. दिनकर
2. अज्ञेय
3. नागार्जुन
4. धूमिल
5. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना | – वनफूलों की ओर, हिमालय का संदेश, मनुज का श्रेय।
– कालगी बाजरे की, नदी के द्वीप, एक सन्नाटा बुनता हूँ
– 26 जनवरी, 15 अगस्त, स्वदेशी शासक।
– लोहे का स्वाद, मोचीराम, मैं हूँ।
– नया वर्ष फिर आया, लीक पर वे चलें, युद्ध-स्थिति। |
|--|--|

निर्धारित पाठ्य पुस्तक:

काव्य वीथि –

सं0 डॉ विन्ध्यवासिनी नन्दन पाण्डेय
 डॉ0 अरुण कुमार
 डॉ0 मिथिलेश कुमार सिंह

अनुशंसित पुस्तकें :-

- | | |
|--|--------------------------------|
| <input type="checkbox"/> दिनकर | : डॉ0 सावित्री सिन्हा (संपादक) |
| <input type="checkbox"/> अर्धनारीश्वर दिनकर | : डॉ0 कुमार विमल |
| <input type="checkbox"/> दिनकर की साहित्य साधना | : डॉ0 सतीश कुमार राय (संपादक) |
| <input type="checkbox"/> दिनकर चिंतन— अनुचिंतन | : डॉ0 सतीश कुमार राय (संपादक) |
| <input type="checkbox"/> अज्ञेय का कवि कर्म | : रमेश चन्द्र शाह |
| <input type="checkbox"/> अज्ञेय का संसार | : अशोक वाजपेयी |
| <input type="checkbox"/> कविता की मुक्ति | : डॉ0 नंदकिशोर नवल |
| <input type="checkbox"/> धूमिल का काव्य | : डॉ0 चन्द्रभानु सोनवणे |
| <input type="checkbox"/> स्वातंत्र्योत्तर कविता के पंचरत्न | : डॉ0 लक्ष्मी सिंह |